

Indian Journal of Modern Research and Reviews

This Journal is a member of the 'Committee on Publication Ethics'

Online ISSN:2584-184X



Review Paper

मानव जीवन पर प्रौद्योगिकी का प्रभाव

डॉ. सुभाष चन्द्र बडोला

सहायक प्राध्यापक, संस्कृत विभाग, स्पर्श हिमालय विश्वविद्यालय, डोईवाला, देहरादून, भारत

Corresponding Author: * डॉ. सुभाष चन्द्र बडोला

DOI: <https://doi.org/10.5281/zenodo.18151192>

सारांश

प्रौद्योगिकी ने आधुनिक मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को गहराई से प्रभावित किया है। स्वास्थ्य, शिक्षा, संचार, रोजगार, व्यक्तिगत जीवन, समाज तथा पर्यावरण जैसे क्षेत्रों में तकनीकी नवाचारों ने जहाँ सुविधाओं, दक्षता और वैश्विक संपर्क को बढ़ाया है, वहीं अनेक नई चुनौतियाँ भी उत्पन्न की हैं। इस शोध लेख में प्रौद्योगिकी के बहुआयामी प्रभावों का विश्लेषण किया गया है, जिसमें इसके सकारात्मक तथा नकारात्मक दोनों पक्षों को रेखांकित किया गया है। लेख में यह स्पष्ट किया गया है कि आधुनिक चिकित्सा उपकरणों, ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल संचार माध्यमों और स्वचालन ने मानव जीवन को अधिक सरल और प्रभावी बनाया है, परंतु साथ ही मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ, सामाजिक संबंधों में कमी, रोजगार असमानता और पर्यावरणीय संकट जैसी समस्याएँ भी उभरी हैं। अध्ययन का उद्देश्य प्रौद्योगिकी के संतुलित एवं जिम्मेदार उपयोग की आवश्यकता को रेखांकित करना है, ताकि इसके लाभों को अधिकतम और हानिकारक प्रभावों को न्यूनतम किया जा सके। यह लेख प्रौद्योगिकी और समाज के संबंध को समझने की दिशा में एक समग्र दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है।

Manuscript Info.

- ✓ ISSN No: 2584-184X
- ✓ Received: 06-11-2025
- ✓ Accepted: 28-12-2025
- ✓ Published: 05-01-2026
- ✓ MRR:4(1):2025;9-13
- ✓ ©2025, All Rights Reserved.
- ✓ Peer Review Process: Yes
- ✓ Plagiarism Checked: Yes

How To Cite

डॉ. सुभाष चन्द्र बडोला. मानव जीवन पर प्रौद्योगिकी का प्रभाव. Indian J Mod Res Rev. 2025;4(1):9-13.

मुख्य शब्द: प्रौद्योगिकी, मानव जीवन, डिजिटल युग, स्वास्थ्य, शिक्षा, संचार, रोजगार, समाज, पर्यावरण, तकनीकी परिवर्तन

प्रस्तावना

प्रौद्योगिकी ने मानव जीवन को गहराई से प्रभावित किया है, और इसका प्रभाव हमारे दैनिक जीवन के हर पहलू में देखा जा सकता है। आज के तेज़ी से बदलते युग में, तकनीकी नवाचार ने न केवल हमारे कार्य करने के तरीके को बदल दिया है, बल्कि हमारे सोचने, संवाद करने, और आपस में जुड़ने के तरीकों में भी क्रांति ला दी है। चिकित्सा, शिक्षा, संचार और व्यवसाय जैसे क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी ने उल्लेखनीय प्रगति की है, जिससे जीवन की गुणवत्ता में सुधार हुआ है। हालांकि, प्रौद्योगिकी के साथ कई चुनौतियाँ भी आई हैं। मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक संबंध और रोजगार जैसे मुद्दों पर इसके नकारात्मक प्रभावों की भी अनदेखी नहीं की जा सकती। इसलिए,

यह महत्वपूर्ण है कि हम प्रौद्योगिकी के इन दोनों पहलुओं का गहन अध्ययन करें इसके लाभ और हानियों को समझ सकें और मानवता के लिए इसके सकारात्मक परिणामों को अधिकतम प्रयोग कर सकें।

1- स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का प्रभाव

स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का प्रभाव एक महत्वपूर्ण विषय है, जिसने पिछले कुछ दशकों में चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाओं में क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं। आधुनिक चिकित्सा उपकरण, डिजिटल स्वास्थ्य समाधानों, और डेटा एनालिटिक्स ने निदान, उपचार और रोग प्रबंधन के तरीकों को नया रूप दिया है। आज के युग में, तकनीकी नवाचार

ने न केवल रोगियों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को बढ़ाया है, बल्कि चिकित्सकों और स्वास्थ्य पेशेवरों को भी अधिक सटीक और प्रभावी तरीके से कार्य करने की क्षमता प्रदान की है। प्रौद्योगिकी के विकास ने टेलीमेडिसिन, स्वास्थ्य ऐप्स, और रोगी डेटा प्रबंधन जैसी सुविधाओं को संभव बनाया है, जो मरीजों को अपने स्वास्थ्य की देखभाल में अधिक सक्रिय बनाता है। साथ ही, यह समय और संसाधनों की बचत करता है। हालांकि, इस प्रगति के साथ कुछ चुनौतियाँ भी आई हैं, जैसे डेटा सुरक्षा और गोपनीयता के मुद्दे। इस लेख में, हम स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं का विस्तृत विश्लेषण करेंगे और समझेंगे कि यह कैसे जीवन को बेहतर बनाने में सहायक है, साथ ही इसके संभावित जोखिमों पर भी विचार करेंगे।

क) चिकित्सा उपकरण और तकनीकें

प्रौद्योगिकी ने चिकित्सा क्षेत्र में असाधारण प्रगति की है। नवीनतम उपकरण, जैसे कि MRI (Magnetic Resonance Imaging) और CT (Computed Tomography) स्कैन, डॉक्टरों को रोगों का सटीक निदान करने में मदद करते हैं। इसके अलावा, रोबोटिक सर्जरी ने सर्जिकल प्रक्रियाओं को अधिक सटीक और सुरक्षित बना दिया है।

ख) टेलीमेडिसिन का विकास

टेलीमेडिसिन, जो दूरस्थ चिकित्सा सेवा को संदर्भित करता है, ने मरीजों के लिए अपने डॉक्टरों से मिलने की प्रक्रिया को आसान बना दिया है। अब लोग घर बैठे ही डॉक्टर से सलाह ले सकते हैं। यह न केवल समय की बचत करता है, बल्कि उन लोगों के लिए भी फायदेमंद है जो दूरदराज के क्षेत्रों में रहते हैं।

ग) स्वास्थ्य ऐप्स और डेटा ट्रैकिंग

स्मार्टफोन ऐप्स के माध्यम से स्वास्थ्य को ट्रैक करना संभव हो गया है। यह ऐप्स उपयोगकर्ताओं को उनके फिटनेस स्तर, आहार, और मानसिक स्वास्थ्य को मॉनिटर करने में मदद करते हैं। ऐसे ऐप्स, जैसे कि MyFitnessPal और Fitbit उपयोगकर्ताओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं।

घ) मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव

प्रौद्योगिकी का मानसिक स्वास्थ्य पर भी प्रभाव पड़ा है। कई लोग सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं, जिससे उन्हें समर्थन और समुदाय मिलता है। हालांकि, अत्यधिक उपयोग से चिंता और अवसाद की समस्याएं भी बढ़ सकती हैं। इसलिए, मानसिक स्वास्थ्य के लिए संतुलित उपयोग महत्वपूर्ण है।

2- शिक्षा में प्रौद्योगिकी का योगदान

शिक्षा क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का योगदान एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है, जिसने न केवल शिक्षण और सीखने की प्रक्रियाओं को पुनर्परिभाषित किया है, बल्कि इसे अधिक सुलभ, प्रभावी और संवादात्मक बना दिया है। आज, ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म, शैक्षणिक ऐप्स, और डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता ने वैश्विक शिक्षा प्रणाली को क्रांतिकारी रूप से बदल दिया है। **COVID-19** महामारी के दौरान, ऑनलाइन शिक्षा ने अपने महत्व को और बढ़ा

दिया, जिससे छात्रों और शिक्षकों को नई चुनौतियों का सामना करते हुए भी सीखने के अवसर प्राप्त हुए। इसने न केवल शिक्षा की पहुंच को व्यापक किया, बल्कि छात्रों को आत्म-शिक्षण और स्वायत्तता की दिशा में भी प्रेरित किया। हालांकि, तकनीकी विकास के साथ-साथ कुछ चुनौतियाँ भी आई हैं, जैसे डिजिटल डिवाइड और सूचना की गुणवत्ता। प्रौद्योगिकी का योगदान शैक्षणिक अनुभव को समृद्ध बना रहा है।

क) ऑनलाइन शिक्षा का उदय

COVID-19 महामारी के दौरान, ऑनलाइन शिक्षा ने अत्यधिक लोकप्रियता हासिल की। प्लेटफॉर्म जैसे कि Coursera, Udemy और Khan Academy ने छात्रों को विभिन्न विषयों पर आसानी से सीखने का अवसर प्रदान किया। इसने शिक्षा की पहुंच को बढ़ाया और विभिन्न शैक्षणिक सामग्रियों को उपलब्ध कराया।

ख) इंटरैक्टिव लर्निंग

प्रौद्योगिकी ने इंटरैक्टिव लर्निंग को संभव बनाया है। वर्चुअल रियलिटी (VR) और ऑगमेंटेड रियलिटी (AR) के उपयोग ने छात्रों को विभिन्न परिस्थितियों में डालकर सीखने में मदद की है। इससे उनकी समझ और रुचि बढ़ती है।

ग) डिजिटल शिक्षा सामग्री

डिजिटल सामग्री, जैसे कि ई-पुस्तकें और ऑनलाइन व्याख्यान, छात्रों को अपने अध्ययन के लिए अधिक विकल्प प्रदान करती हैं। ये सामग्री हमेशा उपलब्ध होती हैं, जिससे छात्रों को जब चाहें, तब अध्ययन करने की सुविधा मिलती है।

घ) शिक्षक और छात्र का संबंध

प्रौद्योगिकी ने शिक्षक और छात्र के बीच संबंध को भी बदल दिया है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर शिक्षक और छात्र बातचीत कर सकते हैं, जिससे शिक्षा का अनुभव और अधिक व्यक्तिगत बनता है।

3- संचार में परिवर्तन

संचार मानव समाज का एक अनिवार्य पहलू है, और पिछले कुछ दशकों में प्रौद्योगिकी ने इस क्षेत्र में अद्वितीय परिवर्तन लाए हैं। आधुनिक संचार उपकरणों और प्लेटफॉर्मों के विकास ने लोगों के बीच संवाद करने के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है। इंटरनेट, मोबाइल फोन, और सोशल मीडिया ने न केवल सूचना के आदान-प्रदान को तेज़ और सुलभ बनाया है, बल्कि वैश्विक स्तर पर लोगों को जोड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस डिजिटल युग में, संचार अब केवल बातचीत तक सीमित नहीं है; यह विचारों, भावनाओं, और अनुभवों के साझा करने का एक माध्यम बन गया है। वीडियो कॉल, चैट ऐप्स, और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने व्यक्तिगत और व्यावसायिक संबंधों को और गहरा किया है। हालांकि, यह बदलाव कुछ चुनौतियाँ भी लेकर आया है, जैसे गोपनीयता की चिंताएँ और व्यक्तिगत संबंधों में कमी। संचार के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव हमारे दैनिक जीवन को प्रभावित कर रहा है।

क) सोशल मीडिया का उदय

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने लोगों के बीच संचार को पूरी तरह से बदल दिया है। फेसबुक, ट्विटर, और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म लोगों को अपने विचारों और अनुभवों को साझा करने का मौका देते हैं। यह न केवल व्यक्तिगत संबंधों को बढ़ाता है, बल्कि सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता फैलाने में भी मदद करता है।

ख) त्वरित संचार के साधन

इंटरनेट और मोबाइल फोन के विकास ने संचार को त्वरित और सहज बना दिया है। ई-मेल, चैट ऐप्स, और वीडियो कॉलिंग ने दूर रह रहे लोगों को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह वैश्विक स्तर पर संचार को आसान बनाता है।

ग) कार्यस्थल पर संचार

प्रौद्योगिकी ने कार्यस्थल पर संचार को भी प्रभावित किया है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और इंस्टेंट मैसेजिंग टूल्स ने टीमों को दूर से भी सहयोग करने में सक्षम बनाया है। यह न केवल उत्पादकता बढ़ाता है, बल्कि समय और संसाधनों की बचत भी करता है।

4- रोजगार और आर्थिक प्रभाव

प्रौद्योगिकी के विकास ने वैश्विक अर्थव्यवस्था और रोजगार के परिदृश्य को गहराई से प्रभावित किया है। जहाँ तकनीकी नवाचारों ने नए अवसरों का निर्माण किया है, वहीं उन्होंने कुछ पारंपरिक नौकरियों को भी खत्म किया है। ऑटोमेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, और डिजिटल प्लेटफॉर्मों की बढ़ती लोकप्रियता ने कार्यस्थलों में संरचना और कार्यप्रणाली में बदलाव लाया है, जिससे काम करने के तरीके में एक नई दिशा मिली है। आज, नई तकनीकों ने गिग अर्थव्यवस्था का उदय किया है, जहां स्वतंत्र कार्यकर्ता विभिन्न प्लेटफॉर्मों के माध्यम से अस्थायी नौकरियों में संलग्न होते हैं। यह लचीलापन प्रदान करता है, लेकिन इसके साथ ही स्थायी रोजगार की कमी और सामाजिक सुरक्षा के मुद्दे भी सामने आते हैं। प्रौद्योगिकी का रोजगार और आर्थिक जगत पर भी प्रभाव पड़ रहा है। नई नौकरियों का निर्माण हो रहा है, साथ ही, भविष्य की चुनौतियां और संभावनाएं भी बढ़ रही हैं।

क) नई नौकरियों का निर्माण

प्रौद्योगिकी ने नई नौकरियों का निर्माण किया है। डेटा एनालिस्ट, डिजिटल मार्केटिंग विशेषज्ञ, और सॉफ्टवेयर डेवलपर्स जैसे नए पेशे उभरे हैं। ये नौकरियां युवा पीढ़ी के लिए अनेक अवसर प्रदान करती हैं।

ख) ऑटोमेशन का प्रभाव

हालांकि प्रौद्योगिकी ने नए रोजगार अवसरों का निर्माण किया है, लेकिन इसने कुछ पारंपरिक नौकरियों को भी समाप्त किया है। ऑटोमेशन के कारण, कई उद्योगों में मानव श्रम की आवश्यकता कम हो गई है, जिससे बेरोजगारी की समस्या बढ़ी है।

ग) गिग इकॉनमी का उदय

गिग इकॉनमी, जिसमें स्वतंत्र कार्यकर्ता अस्थायी काम करते हैं, प्रौद्योगिकी के माध्यम से बढ़ी है। प्लेटफॉर्म जैसे कि Uber और Fiverr ने लोगों को अपनी सेवाएं प्रदान करने के लिए नए अवसर दिए हैं। यह कार्यशैली लचीलापन प्रदान करती है, लेकिन इसके साथ ही इसमें सामाजिक सुरक्षा की कमी भी होती है।

5- व्यक्तिगत जीवन में परिवर्तन

प्रौद्योगिकी ने हमारे व्यक्तिगत जीवन को गहराई से प्रभावित किया है, जिससे जीवनशैली, दैनिक गतिविधियाँ, और सामाजिक संबंध सभी नए रूप में विकसित हुए हैं। स्मार्टफोन, इंटरनेट, और विभिन्न डिजिटल उपकरणों के उपयोग ने न केवल सूचना की उपलब्धता को बढ़ाया है, बल्कि हमारे दिनचर्या के कई पहलुओं को भी सरल और प्रभावी बना दिया है। आज, लोग अपने व्यक्तिगत जीवन में प्रौद्योगिकी के माध्यम से अपने स्वास्थ्य, मनोरंजन, और संचार के तरीकों को पुनर्परिभाषित कर रहे हैं। स्मार्ट होम तकनीक, फिटनेस ऐप्स, और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने हमारी दिनचर्या को अधिक सुविधाजनक और संवादात्मक बना दिया है। हालांकि, इन परिवर्तनों के साथ-साथ कुछ चुनौतियाँ भी आई हैं, जैसे कि अकेलापन, मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ, और पारिवारिक संबंधों में कमी। प्रौद्योगिकी ने व्यक्तिगत जीवन पर प्रभाव भी डाला है। यह हमारे व्यवहार, प्राथमिकताओं, और व्यक्तिगत संबंधों को बदल रहा है।

क) जीवनशैली में सुधार

प्रौद्योगिकी ने लोगों की जीवनशैली को बदल दिया है। स्मार्ट होम उपकरणों ने घर के कामों को आसान बना दिया है। लोग अब अपने घरों को स्मार्ट उपकरणों के माध्यम से नियंत्रित कर सकते हैं, जिससे उनकी जीवनशैली में सुधार होता है।

ख) मनोरंजन का परिवर्तन

प्रौद्योगिकी ने मनोरंजन के तरीकों को भी बदल दिया है। स्ट्रीमिंग सेवाओं जैसे कि Netflix और Spotify ने लोगों को अनगिनत विकल्प प्रदान किए हैं। लोग अब अपने पसंदीदा शो और संगीत का आनंद कहीं भी और कभी भी ले सकते हैं।

ग) परिवार और सामाजिक संबंध

हालांकि प्रौद्योगिकी ने सामाजिक संबंधों को बढ़ाया है, लेकिन इसने व्यक्तिगत संबंधों को भी प्रभावित किया है। परिवारों के सदस्य अक्सर एक-दूसरे से दूर रहते हैं, जिससे वास्तविक संपर्क की कमी हो सकती है। यह अकेलेपन की भावना को जन्म दे सकता है।

6- पर्यावरण पर प्रभाव

प्रौद्योगिकी ने मानव जीवन को कई सकारात्मक परिवर्तन दिए हैं, लेकिन इसके साथ-साथ पर्यावरण पर इसका प्रभाव भी एक महत्वपूर्ण विषय है। औद्योगिक क्रांति से लेकर आज के डिजिटल युग तक, तकनीकी विकास ने प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग, प्रदूषण, और जलवायु परिवर्तन पर गहरा प्रभाव डाला है। हालांकि प्रौद्योगिकी ने नवीकरणीय ऊर्जा, स्मार्ट ग्रिड, और पर्यावरणीय निगरानी उपकरणों जैसे समाधान प्रदान किए हैं, लेकिन इसके विपरीत, यह

प्लास्टिक प्रदूषण, इलेक्ट्रॉनिक कचरे, और जलवायु संकट जैसी चुनौतियों को भी बढ़ाने का कारण बनी है। प्रौद्योगिकी के पर्यावरण पर प्रभाव का विश्लेषण कर, तथा इसके लाभ और हानियों को समझ कर, कि कैसे हम प्रौद्योगिकी का उपयोग कर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे सकते हैं, तथा एक सतत और स्वस्थ भविष्य के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्राप्त कर सकते हैं।

क) सकारात्मक प्रभाव

प्रौद्योगिकी ने पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण सकारात्मक प्रभाव डाला है। नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों, जैसे सौर और पवन ऊर्जा, के विकास ने जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता को कम किया है, जिससे कार्बन उत्सर्जन और प्रदूषण में कमी आई है। ऊर्जा दक्षता वाले उपकरणों और स्मार्ट ग्रिड तकनीकों ने ऊर्जा के उपयोग को अधिक कुशल बना दिया है, जिससे प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होता है। इसके अतिरिक्त, उन्नत अपशिष्ट प्रबंधन प्रणालियाँ और पर्यावरणीय निगरानी उपकरण हमें प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन पर नज़र रखने में सहायता करते हैं। इन सभी पहलुओं से स्पष्ट होता है, कि प्रौद्योगिकी एक स्थायी और स्वस्थ पर्यावरण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

ख) नकारात्मक प्रभाव

प्रौद्योगिकी के विकास ने पर्यावरण पर कई नकारात्मक प्रभाव डाले हैं। औद्योगिक प्रक्रियाओं और ऊर्जा उत्पादन में जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग जलवायु परिवर्तन और वायुमंडलीय प्रदूषण को बढ़ा रहा है। इलेक्ट्रॉनिक कचरे का संचय, विशेष रूप से पुराने उपकरणों और गैजेट्स से, न केवल भूमि भराव का कारण बनता है, बल्कि विषैले पदार्थों के रिसाव से पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचाता है। इसके अलावा, शहरीकरण और तकनीकी विकास ने प्राकृतिक आवासों को नष्ट किया है, जिससे जैव विविधता में कमी आई है। इस प्रकार, जबकि प्रौद्योगिकी के लाभ हैं, इसके नकारात्मक प्रभावों को अनदेखा नहीं किया जा सकता है, और हमें संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है।

7- प्रौद्योगिकी और समाज

प्रौद्योगिकी और समाज के बीच का संबंध एक जटिल और लगातार विकसित होने वाला विषय है। आधुनिक समाज में प्रौद्योगिकी ने जीवन के लगभग हर पहलू को प्रभावित किया है, जिसमें संचार, शिक्षा, स्वास्थ्य, और सांस्कृतिक आदान-प्रदान शामिल हैं। आज, सूचना और संचार तकनीकों (ICT) ने वैश्विक स्तर पर लोगों को जोड़ने और विचारों के आदान-प्रदान को संभव बनाया है, जिससे सामुदायिक और सामाजिक संरचनाएँ बदल रही हैं। हालाँकि, प्रौद्योगिकी के विकास के साथ-साथ कई सामाजिक चुनौतियाँ भी उत्पन्न हुई हैं। डिजिटल विभाजन, गोपनीयता संबंधी चिंताएँ, और सामाजिक संबंधों में कमी जैसी समस्याएँ समाज के सामने आ रही हैं। इस प्रकार, प्रौद्योगिकी के प्रभावों को समझना महत्वपूर्ण है ताकि हम इसके फायदों का अधिकतम लाभ उठा सकें और नकारात्मक प्रभावों का सामना कर सकें। हम प्रौद्योगिकी और समाज के संबंध का गहन विश्लेषण करते हुए, इसके सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर विचार करते हैं, कि कैसे प्रौद्योगिकी ने समाज को

आकार दिया है और आगे बढ़ने के लिए हमें क्या कदम उठाने की आवश्यकता है।

क) सांस्कृतिक प्रभाव

प्रौद्योगिकी का सांस्कृतिक प्रभाव गहरा और व्यापक है, जिसने हमारे संचार, शिक्षा, और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के तरीके को बदल दिया है। सोशल मीडिया और इंटरनेट ने विभिन्न संस्कृतियों के बीच संवाद को बढ़ावा दिया है, जिससे सांस्कृतिक विविधता और जागरूकता में वृद्धि हुई है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जानकारी की उपलब्धता ने पारंपरिक ज्ञान और कला को सहेजने और साझा करने का एक नया अवसर प्रदान किया है। हालाँकि, इसके साथ ही गोपनीयता और मानसिक स्वास्थ्य जैसे सामाजिक मुद्दे भी उभर कर आए हैं। कुल मिलाकर, प्रौद्योगिकी ने सांस्कृतिक पहचान और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, हमें नई चुनौतियों और अवसरों का सामना करने के लिए प्रेरित किया है।

ख) सामाजिक न्याय

प्रौद्योगिकी सामाजिक न्याय के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, लेकिन इसके साथ कुछ चुनौतियाँ भी आती हैं। डिजिटल टूल्स और प्लेटफॉर्म ने वंचित समूहों को अपनी आवाज़ उठाने, जानकारी प्राप्त करने, और संसाधनों तक पहुँच बनाने में मदद की है। ऑनलाइन कैपेन और सोशल मीडिया अभियानों ने सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाई है और लोगों को एकजुट किया है। हालाँकि, तकनीकी विषमताएँ, जैसे कि इंटरनेट की पहुँच और डिजिटल साक्षरता में असमानताएँ, सामाजिक न्याय की दिशा में बाधा उत्पन्न कर सकती हैं। इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि प्रौद्योगिकी का विकास और उपयोग सभी वर्गों के लिए समावेशी और न्यायसंगत हो, ताकि सभी को समान अवसर मिल सकें।

निष्कर्ष

मानव जीवन पर प्रौद्योगिकी का प्रभाव एक जटिल और बहुपरकारी विषय है, जिसने हमारे दैनिक जीवन के विभिन्न पहलुओं को गहराई से प्रभावित किया है। स्वास्थ्य, शिक्षा, संचार, रोजगार, और व्यक्तिगत जीवन में प्रौद्योगिकी ने कई सकारात्मक परिवर्तन लाए हैं, जैसे कि सुविधाओं की उपलब्धता, जानकारी का तेज़ आदान-प्रदान, और स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर गुणवत्ता। हालाँकि, इसके साथ-साथ कुछ चुनौतियाँ भी सामने आई हैं, जैसे मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ, रोजगार में असमानताएँ, और सामाजिक संबंधों में कमी। इन नकारात्मक पहलुओं को समझना और उनके समाधान की दिशा में प्रयास करना आवश्यक है। भविष्य में, यह महत्वपूर्ण है कि हम प्रौद्योगिकी का उपयोग एक सतत और समावेशी तरीके से करें, ताकि इसका लाभ अधिकतम किया जा सके और इसके हानिकारक प्रभावों को न्यूनतम किया जा सके। एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाने से हम प्रौद्योगिकी के द्वारा मानवता के लिए एक बेहतर, स्वस्थ, और समृद्ध भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

संदर्भ ग्रन्थ –

1. डॉ. शेरोन बोस्टिक - द सेकेंड सेल्फ: रिक्रिएटिंग द इमेज ऑफ गॉड इन द डिजिटल वर्ल्ड
2. माइक लॉरी - द टेक्नोलॉजी ट्रैप: सुरवाइविंग द इम्पैक्ट ऑफ टेक्नोलॉजी ऑन ह्यूमन रिलेशनशिप्स
3. मार्क बेल और अन्य - द डिजिटल डिवाइड: वाइडनिंग द टेक्नोलॉजी गैप
4. मिशेल कॉर्नवेल - द फ्यूचर ऑफ द माइंड: द साइंटिफिक क्वेस्ट टू अन्डरस्टैंड द माइंड
5. जोशुआ डेविस - द सोशल डिजिटल: हाउ सोशल मीडिया चेंज द वे वी लिव एंड टॉक
6. माइकल चवे - द इंटरनेट ऑफ अस: कनेक्टिंग डिवाइस, कनेक्टिंग पीपल
7. जीन बौड्रिलार्ड - द डार्क साइड ऑफ टेक्नोलॉजी: साइकोलॉजी एंड फिलोसोफी
8. विंटेन सर्फ - द टेक्नोलॉजी ऑफ ट्रांसफॉर्मेशन: द राइज ऑफ द डिजिटल वेल्थ
9. नील पोस्टमैन - द इम्पैक्ट ऑफ टेक्नोलॉजी ऑन सोसाइटी
10. नैन्सी बायलर - द क्यूबिकल सोसाइटी: हाउ टेक्नोलॉजी इस चेंजिंग द वे वी वर्क
11. OpenAI. मानव जीवन पर प्रौद्योगिकी का प्रभाव [ChatGPT-3.5 large language model]. 2023. Available from: <https://www.openai.com/chatgpt>

Creative Commons (CC) License

This article is an open-access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution (CC BY 4.0) license. This license permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original author and source are credited.